ई.एच.आई.-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-01

पाठ्यक्रम भीर्शक : आधुनिक भारत 1857-1964

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राश्ट्रीय मुक्त वि"वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2021-2022

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई..01

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2022 सत्र के लिए	31 मार्च 2022	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों क उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कोजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 भाब्दों में देना है या 250 भाब्दों में या सिर्फ 100 भाब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणा के साथ व्याख्या भी करनी होगो। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पश्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी भाब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आव" यक बातें अपेक्षित भाब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रकिया का अनन्य स्थान है। आपकी याजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, भाायद, क्योंकि, इसलिए, आदि भाब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, भाब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

ई.एच.आई.-01

आधुनिक भारत 1857-1964

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-01
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-01/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021-2022
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्र"न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्र"न के निर्धारित अंक प्र"न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्र"न का उत्तर लगभग 500 भाब्दों में दीजिए।

1. भारत में उपनिवेशवाद के विभिन्न चरणों की विवचना कीजिए। भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ा? **20**

अथवा

1947 से पहले भारतीय कृषि की क्या स्थिति थी? 1947 के बाद कृषि–उत्पादन में बढ़ोत्तरी के लिए क्या कदम उठाए गए?

2. 1857 के विद्रोह की असफलता के कारणों की विवेचना कीजिए। **20**

अथवा

असहयोग आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग 2: प्रत्येक प्र"न का उत्तर लगभग 250 भाब्दों में दीजिए।

3. उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जन–आन्दोलनों की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय पूंजीपति वर्ग के बीच के सम्बन्धों की चर्चा कीजिए।

4. दक्षिण अफ्रीका से आगमन के बाद महात्मा गांधी की आरम्भिक राजनीतिक गतिविधियों की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

आजाद हिन्द फौज पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. उन्नीसवीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना के उदय की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

सम्प्रदायवाद क्या है? भारतीय समाज में इसके उदय की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।

6. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से सम्बन्धित विषयों की विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

भारत छोड़ो आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग 3: प्रत्येक प्र"न का उत्तर लगभग 100 भाब्दों में दीजिए। **6+6**

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए :**
   क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
   ख) होमरूल लीग
   ग) भारत सरकार का अधिनियम, 1935
   ध) सन्थाल विद्रोह